ISSN 2348-2796

सांस्कृतिक प्रवाह

(शोध पत्रिका)

SANSKRITIK PRAVAH

Research Journal

वर्ष 5 अंक 2 अगस्त, 2018

Bi- annual Bi-lingual

A Multi Disciplinary Referred Research Journal
Dedicated to Socio-Cultural Harmony.

अखिल भारतीय संस्कृति समन्वय संस्थान, जयपुर (राज.)

Akhil Bhartiya Sanskriti Samanvaya Sansthan, Jaipur, Rajasthan

www.sanskritikpravah.com

Subscription Rate

Institution & Library	-	Rs. 2200 (5 years)	Rs. 5100 (15 years)
Individuals	-	Rs. 900 (5 years)	Rs. 2500 (15 years)
Single Copy	-	Rs. 125/-	

Subscription may be sent by cheques/drafts drawn in favour of
Editor, Sanskritik Pravah, Jaipur

The responsibility for the facts stated, opinions expressed or conclusions reached is entirely that of the authors / contributors and the **'Sanskritik Pravah' Research Journal** accepts no responsibility for them.

Correspondence and Contact

सांस्कृतिक प्रवाह

803, वेदांग हाईट्स, नन्दपुरी, प्रताप सर्किल के पास,
प्रतापनगर, जयपुर-302033

e-mail : editor.sprj@gmail.com
website : www.sanskritikpravah.com
Contact : 0141-2973369 (Off.), 094143-12288 (Chief Editor)
094600-70031 (Editor)

Published by : All India Sanskriti Samanvaya Sansthan, Jaipur, Rajasthan (India)
803, Vedang Hights, Nandpuri, Pratapnagar, Jaipur-302033

Printed at : Kumar & Company, Jaipur

ISSN 2348-2796

सांस्कृतिक प्रवाह

(शोध पत्रिका)

वर्ष 5 अंक 2 अगस्त, 2018

अर्द्धवार्षिक द्वि-भाषी

सामाजिक एवं सांस्कृतिक समन्वय के लिए
समर्पित एक बहु-विषयात्मक शोध पत्रिका

अखिल भारतीय संस्कृति समन्वय संस्थान,

803, वेदांग हाईट्स, नन्दपुरी, प्रताप सर्किल के पास, प्रतापनगर, जयपुर-302033

Sanskritik Pravah Research Journal

Patron

Sh. Ramprasad	:	Social Worker & Guardian, Akhil Bhartiya Sanskriti Samanvaya Sansthan, Jaipur (Raj.)

Editorial Advisory Board

Dr. Kuldeep Chand Agnihotri	:	Vice Chancellor Central University of Himachal Pradesh, Dharamshala (H.P.)
Dr. Bhagwati Prasad Sharma	:	Vice Chancellor Gautam Budh University, Greater Noida (U.P.)
Prof. J. P. Sharma	:	Vice Chancellor MLS University, Udaipur (Raj.)
Prof. Bhagirath Singh	:	Vice Chancellor Bikaner University, Bikaner (Raj.)
Prof. M. L. Chhipa	:	Ex. Vice Chancellor A.B. Vajpayee Hindi University, Bhopal (M.P.)
Dr. Alpana Kateja	:	Professor of Economics, Principal, Maharani College, University of Rajasthan, Jaipur (Raj.)
Dr. Shreerang Godbole	:	Endocrinologist, Social Worker & Writer, Pune (Maharastra)

Chief Editor

Sh. Ram Swaroop Agrawal Ex Principal, Govt. Law College, Kota & Sriganganagar (Raj.)	:	72/25, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur-302020 E-mail : ramsjaipur@gmail.com Mobile : 09414312288

Editor

Dr. Gopal Sharan Gupta Centre for Rajasthan Studies, University of Rajasthan, Jaipur	:	Plot No. 28, Gyanvihar Colony, Model Town Jagatpura Road, Malviya Magar, Jaipur-302017 E-mail : gsgupta1960gmail.com Mobile : 0946007003

Managing Editor

Dr. Jagdish Narayan Vijay : 99, Keteva Nagar, New Sanganer Road,
Director Jaipur - 302019
Rajasthan Sanskrit Academy, Jaipur E-mail : jnvijay73@gmail.com
J-15, Jhalana Institutional Area, Mobile : 09414348117
Jaipur-302004

Editorial Board

Dr. Ashutosh Pant : 17, Nandpuri, Malviya Nagar, Jaipur-302017
Chairman, Fluorecent Group of E-mail : pant_ashutosh@rediffmail.com
Institutions, Sec -26, Near N.R.I Mobile : 09636770535
Circle, Pratap Nagar,
Jaipur - 302033

Dr. Sunil Asopa : 61-B, Laxmi Nagar, Jodhpur-324006
Associate Professor, E-mail : sunasopa@gmail.com
Deptt. of Law J.N.V. University, Mobile : 09414294406
Jodhpur

Dr. Shivani Swarnkar : Qr. No. 1, Opp. Residency School Campus
Assistant Professor, Govt. M.G. College, Udaipur-313001
Deptt. of Geography E-mail : pswarn7@gmail.com
Govt. Meera Girls College Mobile : 09929096367
Udaipur-313001

Dr. Satish Chand Agrawal : G-2/310, Shanti Nagar, Durgapura,
Assistant Professor, Jaipur-302018
Deptt. of Poltical Science E-mail : satish.political@gmail.com
M.L.S. University, Udaipur (Raj). Mobile : 09783055596

Contributors

1. **डॉ. अशोक वसंतराव घाडगे**
   पूर्व प्राध्यापक, सेठ नरसिंहदास मोर महाविद्यालय, तुमासर, जिला–भण्डारा (महाराष्ट्र)

2. **डॉ. बाबू लाल भाट**
   राष्ट्रीय महासचिव, वंशावली संरक्षण एवं संवर्द्धन संस्थान, जयपुर (राज.)

3. **डॉ. डी.सी. चौबे**
   विभागाध्यक्ष, इतिहास, गौरी देवी राजकीय महिला महाविद्यालय, अलवर (राज.)

4. **डॉ. हेमन्त द्विवेदी**
   आचार्य, दृश्यकला विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

5. **डॉ. जे. के. बजाज**
   निदेशक, सेन्टर फॉर पॉलिसी स्टडीज (सीपीएस), नई दिल्ली

6. **डॉ. मोहनलाल साहु,**
   अध्यक्ष, भारतीय इतिहास संकलन समिति, चित्तौड़ प्रान्त, कोटा (राजस्थान)
   एवं समन्वयक, स्कूल ऑफ हेरीटेज, कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

7. **श्रीमती प्रियंका मीना**
   शोधार्थी, इतिहास एवं भारतीय संस्कृति विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर (राज.)

8. **रक्षा त्रिवेदी**
   शोधार्थी, दृश्यकला विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।

9. **रामस्वरूप अग्रवाल**
   पूर्व प्राचार्य, राज. विधि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर (राजस्थान)

10. **श्रीमती शकुन्तला साहु**
    प्राचार्य, राज.उच्च माध्य.विद्यालय, केशवपुरा, कोटा (राजस्थान)

11. **डॉ. सुधीर कुमार शर्मा**
    एसोशिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

12. **प्रो. विभा उपाध्याय**
    पूर्व विभागाध्यक्ष, इतिहास एवं भारतीय संस्कृति विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

अनुक्रमणिका / CONTENTS

		पृष्ठ संख्या
	संपादकीय ...	8
1.	**प्राचीन भारतीय वाङ्मय में राष्ट्र की अवधारणा** – प्रो. विभा उपाध्याय	9
2.	**दक्षिणी-पूर्वी एशिया में भारत का सांस्कृतिक प्रवाह : भारतीय स्थापत्य एवं विरासत के विशेष संदर्भ में** – डॉ. मोहनलाल साहु, श्रीमती शकुन्तला साहु	23
3.	**सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के विकास में जनजातियों का योगदान** – डॉ. अशोक वसंतराव घाडगे	35
4.	**वंशावली लेखक परम्परा का उद्भव एवं विकास** – डॉ. बाबूलाल भाट	43
5.	**मुस्लिम आक्रांताओं से भारत राष्ट्र की रक्षा करने वाले गुर्जर प्रतिहार** – डॉ. डी.सी. चौबे	52
6.	**जनजातीय समुदाय की आत्मप्रदर्शन प्रवृति के विविध पहलू :** भील जनजाति के संदर्भ में – डॉ. हेमन्त द्विवेदी, रक्षा त्रिवेदी	63
7.	**वैदिक संस्कृति का समन्वयात्मक दृष्टिकोण** – डॉ. सुधीर कुमार शर्मा	70
8.	**दक्षिण-पूर्वी एशिया में हिन्दू साम्राज्य : केदाह राज्य के विशेष संदर्भ में** – श्रीमती प्रियंका मीना	76
9.	Is There Demographic Component of Proxy War in the Kashmir Valley – Dr. J. K. Bajaj	84
10.	**पुस्तक समीक्षा : कौन हैं** Urban Naxals – रामस्वरूप अग्रवाल	91
11.	**गतिविधि** – डॉ. गोपाल शरण गुप्ता	93
12.	Guidelines for authors	95
	Review & Publication Policy.	99
	Ethics Policy	100
	ThrustArea	101
	शोध पत्र के मुख्य विषय	102

संपादकीय

Nation in the Making (1925) जैसी पुस्तकें तथा 'राष्ट्रपिता' (1944) जैसे सम्बोधनों से आभास होता है कि भारत-राष्ट्र का निर्माण कोई हाल ही की घटना है। वस्तुतः भारत-राष्ट्र का चिंतन हमारे देश में 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' के रूप में किया गया। ऋग्वेद, अथर्ववेद, तैत्तिरीय संहिता, शतपथ ब्राह्मण, ऐतरेय ब्राह्मण, मनुस्मृति, अर्थशास्त्र, विष्णु पुराण, मार्कण्डेय पुराण, भागवत पुराण आदि प्राचीन ग्रंथों में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अवधारणा के प्रमाण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। विदुषी लेखिका प्रो. विभा उपाध्याय ने परिश्रमपूर्वक लिखे अपने शोध आलेख में 48 उद्धरण देते हुए इस मत को पुष्ट किया है कि भारत में राष्ट्र की अवधारणा आधुनिक काल की देन न होकर प्राचीन समय से ही चली आ रही है।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के विकास में न केवल विद्वानों-मनीषियों का योगदान है, वरन् जनजातियों ने भी इसमें अपना सहयोग दिया है- इसे स्पष्ट करते हुए नागपुर के प्राध्यापक डॉ. घाडगे का भी शोध आलेख इस अंक में है।

देश के गुर्जर-प्रतिहारों की वीरता, चातुर्य एवं देश-सुरक्षा के लिए संघर्ष ने अरबों के आक्रमणों को विफल करते हुए उन्हें 300 वर्षों तक भारत में प्रवेश से रोके रखा। इतिहास के इस स्वर्णिम पृष्ठ पर प्रकाश डाल रहे हैं डॉ. डी.सी. चौबे। यह गौरवशाली इतिहास अभी भी इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में पर्याप्त स्थान नहीं पा सका है।

भारतीय सांस्कृतिक जीवन-मूल्यों का विस्तार दक्षिणी-पूर्वी एशिया तक रहा। इस तथ्य को रेखांकित किया है डॉ. मोहन लाल साहु एवं डॉ. प्रियंका मीना ने।

हमेशा की तरह इस अंक में भी वंशावली परम्परा, समन्वयात्मक सांस्कृतिक दृष्टि जैसे विषयों पर पर्याप्त सामग्री है। पुस्तक समीक्षा तो है ही। आशा है इस अंक को भी विद्वत्जनों की सराहना अवश्य मिलेगी।

– रामस्वरूप अग्रवाल